चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-11-23	6	1-6

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 4 से • अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ब्राजील सहित अन्य देशों से आएंगे वैज्ञानिक

एचएयू में कई देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी सम्मेलन में पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य पर तीन दिन करेंगे मंथन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तीकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीव-जंतु, जल कृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगों सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ हैं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिससे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे कि कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश-विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थियों को एक साथ आने का मौका मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	25-11-23	12	2-5

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 4 से 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

- अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोराको सहित अन्य देशों के वैज्ञानिक होंगे शामिल

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोराको सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीव जंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगों सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे कि कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थियों को एक साथ आने का मौका मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	25.11.23	5	7-8

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 4 दिसंबर से, 900 मेहमान पहुंचेंगे

हिसार, 24 नवंबर (हप्र)

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोराको सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजन्न, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगो सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25-11-23	4	6-8

हकृवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन चार दिसंबर से

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन होगा। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, टयूनिशिया, ब्राजील, मोराको सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजन्न, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान पर रिसर्च प्रस्तुत होगी। इसके अलावा आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण,

अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, फ्रांस, जर्मनी, जापान, मिस्त्र, टयूनिशिया, ब्राजील, मोराको से वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

हकृवि का स्वर्ण जयंती द्वार की फोटो। • पीआरओ

मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय विषय होंगे। इसी प्रकार कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर मंथन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगो सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को एक ऐसा मंच मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25-11-23	2	7-8

हकृवि में होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

हिसार, 24 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसम्बर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोराको सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरकि प्रजन्न, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवांशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	25-11-23	5	4-5

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से, 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

● अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान सहित कई देशों से होंगे शामिल

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोराको सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगों सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे कि कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थीयों को एक साथ आने का मौका मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-11-23	5	6-8

हकृवि में 4 से 6 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

हिसार, 24 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरकि प्रजन्न, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगो सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे कि कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थियों को एक साथ आने का मौका मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	24.11.2023	--	--

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 4 से 6 दिसंबर तक, 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजन्न, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, प्रभाव मूल्यांकन, किसान सशक्तिकरण, खाद्य, और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थव्यवसाय के लिए कृषि में महत्वपूर्ण जीवजंतु, जलकृमि, पशुधन, फसल उत्पादन, सूक्ष्मजीवों में जैविक-अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियां, स्मार्ट कृषि के लिए मशीनीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन व डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन, टिकाऊपन के लिए संरक्षण कृषि, संसाधन प्रबंधन, एकीकृत खेती, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगो सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे कि कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थीयों को एक साथ आने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपरोक्त देश के वैज्ञानिक व शोधार्थी अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	24.11.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर तक होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार 24 नंवबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्त्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोराको सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगो सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है। एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे कि कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थीयों को एक साथ आने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपरोक्त देश के वैज्ञानिक व शोधार्थी अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.11.2023	--	--

हकृवि में 4 से 6 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी होंगे शामिल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर को खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनिशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग लेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा वैश्विक पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए बाजरा, फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजाति, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फेनोमिक्स, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, कृषि अनुसंधान में मॉडलिंग, सिमुलेशन, फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, खाद्य सुरक्षा में कृषि शिक्षा की भूमिका व स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयों पर गहनता से चर्चा कर मंथन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जोतराम शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, निजी उद्योगों सहित विदेशी कृषि संस्थाओं से 1125 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें से 900 का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे कि कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थियों को एक साथ आने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपरोक्त देश के वैज्ञानिक व शोधार्थी अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे।